नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणाप्रतापस्नातकोत्तरमहाविद्यालय

जंगल धूसड़-गोरखपुर

फोन नं0 : 0551–6827552, 2105416

मो.9794299451

Website: www.mpm.edu.in

E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : ..... दिनांक : 17.01.2019

प्रकाशनार्थ

धर्म एक ऐसा व्यापक शब्द है जो सम्बन्धित समाज का इतिहास और उसके जीवन की भूमिका प्रस्तुत करने में सर्वतोभावेन समर्थ होता है। विशेषकर भारतीय धरा–धाम पर तो धर्म शब्द में समाज विशेष की सभ्यता, संस्कृति, आचर–विचार, रहन–सहन, रीति–रिवाज तथा जीवन प्रणाली की प्रक्रिया और निदर्शन प्रस्तुत होता है। धर्म, निःसन्देह भारतीय संस्कृति और जीवन दर्शन का मूल आधार है। धर्म शब्द से जहां एक तरफ दैनिक जीवन में उपयोगी कर्तव्य अभिप्रेरित हैं, वहीं दूसरी ओर इसकी सबसे बड़ी विशिष्टता विभिन्न सम्प्रदायों के व्यवहारिक जीवन से अन्योन्याश्रित सम्बन्ध की रही है। भारतीय जीवन दर्शन के अंतर्गत धर्म में केवल निरा आदर्श एवं कर्मकाण्ड ही नही रहा, अपितु इसमें जीवन के नैतिक मूल्यों पर विशेष बल दिया गया है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पी0जी0 कालेज, जगल धूसड़, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति तथा बी0एड्0 विभाग द्वारा आयोजित ***धर्म की भारतीय अवधारणा एवं वेदान्त दर्शन*** विषयक **विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम** में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर, विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के आचार्य डॉ0 रामप्यारे मिश्र ने बतौर मुख्य वक्ता कही। डॉ0 मिश्र ने आगे कहा कि वास्तव में धर्म, मनुष्य के आचरण एवं व्यवहार की एक संहिता है जो उनके कार्यों को सुव्यवस्थित ढंग से नियमित संचालित एक नियंत्रित करता है।

कार्यक्रम में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रदीप कुमार राव ने कहा कि धर्म की अपनी विशिष्ट अवधारणा के विकास के साथ–साथ भारत–भूमि अपनी सभ्यता के उषा काल से ही धर्म की उद्गम स्थली रही है। हिन्दु धर्म के अंतर्गत यहां विविध मत एवं सम्प्रदाय जैसे–वैदिक, सनातन वैष्णव, शैव, शाक्त, पाशुपत, नाथ, बौद्ध एवं जैन आदि मत समय–समय पर अस्तित्व में आए और इन सभी पंथो एवं सम्प्रदायों का मूल लगभग एक जैसा ही रहा। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी सुबोध कुमार मिश्र ने किया तथा अतिथि का महाविद्यालय परिवार की ओर से बी0एड्0 विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ0 विजय कुमार चौधरी, डॉ0 अविनाश प्रताप सिंह, डॉ0 सौरभ कुमार सिंह, श्री मन्जेश्वर, डॉ0 प्रज्ञेश कुमार मिश्र, डॉ0 वेंकट रमन पाण्डेय, डॉ0 अभिषेक सिंह, श्रीमती पुष्पा निषाद, सुश्री दीप्ती गुप्ता, सुश्री शालू श्रीवास्तव, डॉ0 अजय निषाद सहित महाविद्यालय के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

(डॉ0 राजेश शुक्ल)
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी